Changing Ways

बदलती राहें

(साप्ताहिक)

पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं. HP/DMA/113

❑ वर्ष 01 ❑ अंक 14 ❑ पृष्ठ : 04 ❑ मूल्य : 4 रुपये धर्मशाला, 11 अप्रैल 2016 हर सोमवार को प्रकाशित

रजनी महापौर और जग्गी बने उपमहापौर

- सर्वसम्मति से चुनी गई महापौर
- उपमहापौर के मुकाबले में 2-14 से दर्ज की जीत

धर्मशाला। तपोवन स्थित विधानसभा भवन के समिति हॉल में नगर निगम धर्मशाला के पहले महापौर एवं उपमहापौर पद के लिए चुनाव हुआ। चुनाव में वार्ड नंबर 15 खनियारा की रजनी देवी सर्वसम्मति से नगर निगम की मेयर चुनी गईं। उपमहापौर के पद के लिए वार्ड नंबर 10 के देविंद्र जग्गी ने वार्ड नंबर दो भागसू नाग के ओंकार नैहरिया को दो के मुकाबले चौदह मतों से परास्त किया। एक वोट अवैध करार दिया गया। इसके पश्चात, शहरी विकास विभाग के निदेशक कै. जेएम पठानिया ने महापौर रजनी देवी एवं उपमहापौर देविंद्र जग्गी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

इससे पहले नगर निगम के नवनिर्वाचित पार्षदों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। एक सादे समारोह में शहरी विकास, आवास एवं नगर नियोजन मंत्री सुधीर शर्मा की उपस्थिति में शहरी विकास विभाग के निदेशक कै० जेएम पठानिया ने सभी पार्षदों को शपथ दिलाई। इस अवसर पर वन विकास निगम के उपाध्यक्ष केवल सिंह पठानिया, उपायुक्त कांगड़ा रितेश चौहान, पुलिस अधीक्षक संजीव गांधी, अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी बलवीर ठाकुर, नगर निगम के आयुक्त राकेश शर्मा सहित पंचायती राज संस्थाओं के के निर्वाचित सदस्य एवं शहर के गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

शहरी विकास, आवास एवं नगर नियोजन मंत्री सुधीर शर्मा ने महापौर, उपमहापौर सभी पार्षदों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए क्षेत्र के विकास के लिए पूर्ण समर्पण के साथ मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत के सभी पहाड़ी शहरों में

■ शेष पृष्ठ 3 पर

नगर निगम धर्मशाला के नवनिर्वाचित महापौर व उपमहापौर के साथ शहरी विकास मंत्री सुधीर शर्मा।

हि.प्र. राज्य अनुसूचित जाति आयोग होगा गठित

शिमला। राज्य सरकार ने हिमाचल प्रदेश राज्य अनुसूचित जाति आयोग के गठन का निर्णय लिया है। यह जानकारी आज यहां सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. कर्नल धनी राम शांडिल ने दी। उन्होंने कहा कि आयोग के मुख्य अध्यक्ष होंगे और इसके तीन गैर सरकारी सदस्य होंगे। अध्यक्ष व गैर सरकारी सदस्यों का मनोनयन प्रदेश सरकार द्वारा किया जाएगा। गैर सरकारी सदस्यों में से एक सदस्य महिला व और दूसरा विधिक क्षेत्र से होगा। उन्होंने कहा कि निदेशक अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक मामले विभाग आयोग के सदस्य सचिव होंगे। डॉ. शांडिल ने कहा कि आयोग के अध्यक्ष व गैर सरकारी

■ शेष पृष्ठ 3 पर

संक्षेप

पर्यटकों से बदसलूकी रोकेगी एचपी ट्रेवल एजेंट्स एसोसिएशन

मनाली। प्रदेश में आने वाले पर्यटकों को विश्वस्तरीय आतिथ्य-सत्कार देने व इनसे होने वाली बदसलूकी रोकने के लिए अब प्रदेश के ट्रेवल एजेंट्स एकजुट हो रहे हैं। एचपी ट्रेवल एजेंट्स एसोसिएशन ने इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए कार्यकारिणी का विस्तार शुरू कर दिया है। इसमें प्रदेश के अधिक से अधिक ट्रेवल एजेंट्स को रजिस्टर करने की मुहीम शुरू कर दी है। एसोसिएशन के प्रधान अनिल शर्मा ने कहा कि पर्यटकों से ट्रेवेल एजेंट, होटलियर्स, टैक्सी चालक व पर्यटक सेवा प्रदान करने वाले दूसरे लोगों द्वारा बदसलूकी के बहुत से मामले सामने आते रहे हैं जो कि पर्यटन उद्योग व हिमाचल की छवि के लिए ठीक नहीं है।

चाय खेती के विस्तार की आवश्यकता: सीएम

शिमला। मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने कहा कि राज्य में उद्यमियों को चाय की पैदावार के लिए गैर परंपरागत क्षेत्रों का पता लगाने के बजाय कांगड़ा में चाय की खेती वाले क्षेत्रों एवं मौजूदा चाय बागानों के विस्तार, सुधार एवं पुनर्जीवन की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री यहां राज्य चाय विकास बोर्ड की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चाय की खेती के क्षेत्रों के विस्तार की आवश्यकता है। यह पाया गया है कि कांगड़ा के चाय बागान प्राकृतिक तौर पर सिकुड़ते जा रहे हैं तथा मौजूदा इकाइयों में परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। यदि चाय बागानों का सुधार तथा नई पौध तैयार नहीं की गई तो यह अधिक लंबे समय तक लाभ का उद्यम नहीं रहेगा। बैठक में सदस्यों ने कहा कि चाय बागानों का पर्याप्त मानव शक्ति के अभाव में परित्याग किया जा रहा है।

कन्हैया पर राष्ट्रद्रोह का एक और मुकद्दमा

धर्मशाला। जवाहर लाल नेहरू विवि के छात्र संघ के अध्यक्ष कन्हैया कुमार के खिलाफ राष्ट्रद्रोह का एक और मुकद्दमा दर्ज हो गया है। यह मुकद्दमा उसके पूर्व सैनिकों के खिलाफ जारी किए बयान पर हिमाचल प्रदेश के जिला कांगड़ा के मुख्यालय धर्मशाला स्थित जिला सत्र एवं न्यायालय धर्मशाला में पूर्व सैनिकों ने दर्ज करवाया है। पूर्व सैनिक सुबेदार काहन सिंह सहित सेवानिवृत जेसीओ शमशेर चंद शर्मा, सेवानिवृत कैप्टन कर्म सिंह धीमान और पूर्व कैप्टन मदन चंद की शिकायत के आधार पर अधिवक्ता

■ शेष पृष्ठ 3 पर

नगरोटा बगवां आएंगी सोनिया गांधी

- इंजीनियरिंग कॉलेज का उद्घाटन होगा
- फार्मेसी कॉलेज का शिलान्यास भी करेंगी सोनिया

धर्मशाला। कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी, कांगड़ा जिला के राजीव गांधी राजकीय इंजिनियरिंग कालेज के उद्घाटन के लिए इसी महीने कांगड़ा आएंगी। वे कांगड़ा जिला के नगरोटा बगवां के मस्सल में बने इस कालेज के उद्घाटन के साथ-साथ कालेज परिसर में लगाई गई पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की आदमकद मूर्ति का अनावरण भी करेंगी। साथ ही नगरोटा बगवां में 25 करोड़ की लागत से बनने वाले फार्मेसी कालेज का भी शिलान्यास करेंगी। इस अवसर पर एक ऐतिहासिक रैली का भी आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री जीएस बाली ने आज यहां पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए दी।

उन्होंने कहा कि इस संदर्भ में दिल्ली में सोनिया गांधी से हुई उनकी भेंट में उन्होंने इस कार्यक्रम में आने के लिये अपनी मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह भी उपस्थित रहेंगे। साथ ही कांग्रेस की राज्य प्रभारी अंबिका सोनी

■ शेष पृष्ठ 3 पर

धर्मशाला में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मंत्री जीएस वाली।

विधायक करें एचआईवी/एड्स के बारे में जागरुक: वीरभद्र सिंह

बीमारी से निपटने में लांछन-भेदभाव बड़ी बाधा

- एड्स नियंत्रण सोसायटी की कार्यशाला आयोजित
- जन प्रतिनिधियों के प्रचार से लोगों पर पड़ेगा प्रभाव

शिमला। मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी द्वारा विधायी फोरम के लिए एचआईवी/एड्स पर आयोजित जागरूकता कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए कहा कि इस तरह की कार्यशालाएं जानलेवा बीमारी के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने में सहायक होती हैं। उन्होंने कहा कि विधायक आम जनता के बीच जागरूकता उत्पन्न करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी द्वारा विधायकों को शामिल करने का यह एक सराहनीय प्रयास है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा एचआईवी/एड्स पर जागरूकता फैलाने के तीव्र प्रयासों के बावजूद इस महामारी से जुड़ी गलत धारणाओं के चलते लोगों को एचआईवी/एड्स के बारे शिक्षित करने के प्रयास कहीं न कहीं प्रभावित हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि लोग निर्वाचित प्रतिनिधियों को अधिक संयम के साथ सुनते हैं, इसलिए वे आम जनता को एचआईवी/एड्स के कुप्रभावों को अच्छी तरह समझा सकते हैं। वीरभद्र सिंह ने कहा कि एक तरफ बीमारी का लांछन तथा भेदभाव लोगों को चिकित्सा सहायता एवं इससे जुड़ी जानकारी प्राप्त करने से दूर रखता है।

■ शेष पृष्ठ 3 पर

जागरूकता को जनआंदोलन की जरूरत : कौल

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री कौल सिंह ठाकुर ने कहा कि राज्य सरकार एचआईवी/एड्स के रोगियों के उपचार को लेकर काफी गंभीर है और एआरटी केन्द्रों में उपचार के लिए आने वाले मरीजों को केन्द्र तक आने व वापिस घर जाने का बस किराया प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस महामारी को लेकर हिमाचल प्रदेश की स्थिति अन्य राज्यों की तुलना में बेहतर है। उन्होंने कहा कि एचआईवी/एड्स के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए इसे जन आन्दोलन के तौर पर अपनाने की आवश्यकता है।

कर्ज में डूबे राज्य के माननीय मालामाल

हिमाचल प्रदेश जैसे छोटे और कर्जे में डूबे राज्य में विधायकों और पूर्व विधायकों सहित पीएस व सीपीएस के वेतन में भारी बढ़ोतरी किया जाना आम आदमी को हैरान-परेशान किए हुए है। हालांकि माननीयों के वेतन में बिना किसी विरोध के की जाने वाली बढ़ोतरी सिर्फ हिमाचल ही नहीं बल्कि पूरे देश में इसी तरह से की जाती है। आखिर संसद और विधानसभा में भले ही जनता से जुड़े मुद्दों पर सत्तापक्ष और विपक्ष कभी एक न हो पाएं, मगर जब बात अपने वेतन की होती है तो दोंनों पक्ष एक हो जाते हैं। तब न विपक्ष को बहस की गुंजाइश नजर आती है और न ही सत्ता पक्ष को विपक्ष का वाकआऊट करना याद रहता है। ऐसे में जनता के लिए ठगे जाने जैसी नौबत के सिवाय और कोई विकल्प भी नहीं होता।

ताजा निर्णय के अनुसार हिमाचल के मुख्यमंत्री और मंत्रियों का वेतन अब करीब 2.50 लाख रुपये और विधायक का 2.10 लाख रुपये होगा। माननीयों के वेतन व भत्तों को बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने चार विधेयक सदन में पेश किए। इन्हें पक्ष और विपक्ष ने मेज थपथपा कर पास कर दिया।

विधायक जो वेतन के रूप में अब तक एक लाख 32 हजार रुपये लेते थे, अब वे करीब दो लाख 10 हजार रुपये हर महीने पाएंगे। करीब डेढ़ लाख रुपये मासिक वेतन पाने वाले मंत्री अब 2.35 लाख मासिक वेतन पाएंगे। जबकि इस देश में सांसदों को ही भत्ते आदि मिलाकर एक लाख 20 हजार रुपये मासिक वेतन मिलता है। इसी तरह पिछले दिनों दिल्ली के जनप्रतिनिधि भी मालामाल हो गए थे। वहीं छत्तीसगढ़ में एक विधेयक पारित हुआ जिसके बाद राज्य के मुख्यमंत्री का वेतन 93 हजार रुपये प्रतिमाह से बढ़कर 1.35 लाख रुपये प्रतिमाह हो गया है। मंत्रियों का वेतन 90 हजार रुपये प्रतिमाह से बढ़कर 1.30 लाख रुपये प्रतिमाह हो गया है। अब विधायकों को 1.10 लाख रुपये प्रतिमाह वेतन मिलेगा। इसी तरह विस अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मुख्य संसदीय सचिवों व संसदीय सचिवों के वेतन में भारी बढ़ोतरी की गई है। कुल मिलाकर यही कहा जा सकता है कि अगर विधायकों को अपना वेतन कम लग रहा है, तो उन्हें अपना काम भी तो दिखाना होगा। आखिर सदन में हंगामे और वाकआऊट के अलावा उनके पास जनता के लिए कितना समय है। आम आदमी के लिए उनकी भागदौड़ कितनी है। हालांकि उनके कार्यकाल का आकलन जनता चुनावों में कर लेती है, मगर रिटायर होने या फिर कहें जनता द्वारा नकार दिए जाने के बाद भी उनको मौज करने का हक कैसे दिया जा सकता है। एक पूर्व विधायक को हर बार की सदस्यता पर पेंशन दिए जाने का प्रावधान है। यह पेंशन अब हिमाचल में 22 हजार से बढ़ाकर 28 हजार रुपये कर दी गई है। साथ ही मफ्त यात्रा सीमा एक लाख से बढ़ा कर सवा लाख रुपये कर दी गई है। आम आदमी के लिए यह जानना जरूरी है कि हिमाचल पर 35,151 करोड़ का कर्ज है। इस वित्तीय वर्ष में हमें 3,400 करोड़ रुपये सिर्फ ब्याज देना है। राज्य सरकार अपने कर्मचारियों को वेतन भी उधार की राशि से देती है। कर्मचारी लंबे अर्से से अपने वेतन व भत्तों में बढ़ोतरी की मांग करते आ रहे हैं। वहीं श्रमिकों की हालत तो इससे भी खराब है। जहां तक गरीबों व असहायों की बात है, तो उन्हें सरकारी मदद के नाम पर अभी भी इतनी राशि दी जाती है, जिससे एक माह तो दूर एक सप्ताह तक गुजारा करना मुमकीन नहीं होता। ऐसे में जब कोई वर्ग वेतन भत्तों से लेकर सहायता में बढ़ोतरी की मांग करता है, तो सरकार की तरफ से रटा-रटाया जवाब मिलता है, प्रदेश की माली हालत ठीक नहीं है। आखिर खुद के मामले में माननीय यही बात क्यों नहीं सोचते।

काले धन का पनामा क्नैक्शन

इस सच्चाई को नकारा नहीं जा सकता कि काले धन के बलबूते ही दुनिया में आतंक फल-फूल रहा है। पनामा खुलासे के बाद संबंधित देशों की सरकारों को हरकत में आना पड़ा। आस्ट्रेलिया, न्यूजीलेंड और भारत समेत कई देशों को कर चोरी करने वालों के खिलाफ जांच कराने के लिए बाध्य होना पड़ा। भारत की पांच सौ बड़ी हस्तियों का नाम आने पर वितमंत्री अरुण जेटली ने भी नियमानुसार सख्त कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। तथापि, वस्तुस्थिति यह है कि सरकार की लाख कोशिशों के बावजूद काली कमाई कर विदेशों में धन छिपाने वालों के खिलाफ आज तक कोई सख्त कार्रवाई नहीं हो पाई है।

धन्नासेठों, सेलेब्रिटीज व सियासतदानों के गोरखधंधे क्या-क्या गुल खिलाते हैं, पनामा के अखबारों में प्रकाशित दस्तावेजों ने पूरी दुनिया को इस कड़वी सच्चाई से फिर अवगत कराया है। पनामा पेपर्स के खुलासे से दुनियाभर में तहलका मचा है। मध्य और दक्षिण अमेरिका के बीच बसे देश पनामा की लॉ फर्म मोसाक फॉनसेका के एक करोड़ 15 लाख पेज के दस्तावेज जारी हुए, तो उनमें 2,14,153 कंपनियों तथा 14,153 व्यक्तियों के नाम सामने आए, जो अपना काला धन इस देश में ले गए थे। मकसद धन छिपाना या उसे सफेद बनाना (मनी लॉन्ड्रिंग) था। पनामा पेपर्स में 50 से ज्यादा देशों के 140 राजनेताओं के भी नाम हैं। इनमें 72 वर्तमान या पूर्व राष्ट्राध्यक्ष/सरकार प्रमुख हैं।

इन लोगों ने मोसाक फॉनसेका के जरिए फर्जी कंपनियां बनवाईं, उनके नाम पर अपना धन जमा किया और फिर उन कंपनियों से अपने कारोबार के लिए कर्ज लिए अथवा अपने उपभोग का खर्च उनके नाम पर दिखाया। मोसाक फॉनसेका के कागजात किसी अज्ञात स्रोत के जरिए जर्मन अखबार सुदेउट्श जीटुंग ने हासिल किए। उसने वाशिंगटन स्थित इंटरनेशनल कंसोर्टियम ऑफ इन्वेस्टिगेटिवजर्नलिस्ट्स (आईसीआईजे) के साथ उन्हें साझा किया। खोजी पत्रकारों की इस संस्था ने दस्तावेज के विश्लेषण में 78 देशों के 107 मीडिया घरानों को शामिल किया।महीनों की मेहनत के बाद एक साथ इन समाचार माध्यमों ने इसकी खबर दी, जिसे अब काले धन के बारे में इतिहास का सबसे बड़ा खुलासा कहा जा रहा है। इससे जो नाम घिरे हैं, उनमें रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, अर्जेंटीना के राष्ट्रपति मॉरिसियो मास्री, सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद, आईसलैंड के प्रधानमंत्री सिगमुंदुर डेविड गनलॉग्सन, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ तथा दुनिया के अन्य बहुत सारे धनी-मानी और चर्चित नाम शामिल हैं।भारत के जो चर्चित चेहरे शक के दायरे में आए हैं, उनमें अभिनेता अमिताभ बच्चन, अभिनेत्री ऐश्वर्या राय, रियल एस्टेट कंपनी डीएलएफ के मालिक केपी सिंह, उद्योगपति विनोद अडानी, अपोलो टायर्स एवं इंडिया बुल्स कंपनियों के मालिक और अंडरवर्ल्ड डॉन इकबाल मिर्ची भी हैं। भारत की लगभग 500 कंपनियों, प्रतिष्ठान एवं ट्रस्ट तथा 234 व्यक्तियों ने मोसाक फॉनसेका की मदद ली।जारी दस्तावेज 1977 से लेकर चार महीने पहले तक के हैं। इनमें जिन भारतीयों के नाम हैं, पिछले साल उनके पास अपने अवैध धन को वैध बनाने का मौका था। बीते 30 सितंबर तक ये लोग अपने धन की जानकारी भारत सरकार को देकर और उस पर कर अदा कर अपने अपराध से मुक्त हो सकते थे। किंतु उन्होंने ऐसा नहीं किया। तो अब वे कानूनन जुर्माना और जेल के हकदार हैं। भारत के इनवेस्टिगेटिव जर्नलिज्म के पर्याय इंडियन एक्सप्रेस समेत 107 मीडिया संस्थानों के सैकड़ों पत्रकारों ने इस काम को अंजाम दिया। वर्ष 1977 से 2015 के दौरान चालीस साल का डेटा खोज निकालना आसान काम नहीं था। फिर भी खोजी पत्रकारों ने जान-जोखिम में डालकर 1.15 करोड़ दस्तावेज जुटाए और पनामा की लॉ फर्म की मदद से इन्हें सार्वजनिक किया। पत्रकारों ने पूरी दुनिया को यह संदेश भी दिया है कि कॉर्पोरेट पूंजी से सींचित होने के बावजूद मीडिया में अभी भी खोजी पत्रकारिता का दमखम है। धन-बल उनके पराक्रम को परास्त नहीं कर सकता। पत्रकारिता जगत के अब तक के सबसे बड़े खुलासे ने दो सौ से ज्यादा राष्ट्राध्यक्षों,

सियासी नेताओं, फिल्म हस्तियों, बिजनेसमैन, खिलाड़ियों और अधिकारियों की काली कमाई का कच्चा चिट्ठा खोला है। पनामा पेपर्स में बताया गया है कि दुनिया भर के बड़े लोग कर चोरी करके अपनी काली कमाई छिपाने के लिए कैसी-कैसी तिकड़में भिड़ाते हैं। जाहिर है काली कमाई को छिपाने के लिए टैक्स मुक्त देशों की तलाश रहती है। एक जमाने में स्विटरजलैंड को काले धन छिपाने के लिए सबसे सुरक्षित माना जाता था, मगर जैसे-जैसे इस देश की करमुक्त व्यवस्था दुनिया की नजर में चढ़ती गई, काली कमाई करने वालों ने स्विटरजलैंड से भी अधिक सुरक्षित जगह तलाश ली। पनामा, सिसली, ब्रह्मामाज और ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड जैसे देश काले धन को छिपाने के लिए अधिक सुरक्षित पाए गए। पनामा पेपर्स खुलासे ने इस सच्चाई को फिर उजागर किया है कि पूंजीवादी व्यवस्था में कर चोरी, कायदे-कानून का उल्लंघन, अपराध और आतंक का ही डंका बजता है। इस खुलासे से यह भी पता चलता है कि विकासशील देशों का काफी सारा धन काले धन के रुप में विकसित देशों में पूंजी निर्माण भी कर रहा है। यही वजह है कि सत्ता से पदच्युत किए जाने के बाद विकासशील देशों के अधिकतर सियासी नेता विकसित देशों में शरण लेते हैं? आतंक और हिंसा के मौजूदा माहौल में यह स्थिति खतरनाक है। इस सच्चाई को नकारा नहीं जा सकता कि काले धन के बलबूते ही दुनिया में आतंक फल-फूल रहा है। पनामा खुलासे के बाद संबंधित देशों की सरकारों को हरकत में आना पड़ा।

आस्ट्रेलिया, न्यूजीलेंड और भारत समेत कई देशों को कर चोरी करने वालों के खिलाफ जांच कराने के लिए बाध्य होना पड़ा। भारत की पांच सौ बड़ी हस्तियों का नाम आने पर वितमंत्री अरुण जेटली ने भी नियमानुसार सख्त कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। तथापि, वस्तुस्थिति यह है कि सरकार की लाख कोशिशों के बावजूद काली कमाई कर विदेशों में धन छिपाने वालों के खिलाफ आज तक कोई सख्त कार्रवाई नहीं हो पाई है। मोदी सरकार ने लोकसभा चुनाव के दौरान अपने चुनावी घोषणापत्र में सत्ता में आने के सौ दिन के भीतर विदेशों में छिपाए गए काले धन को स्वदेश लाने का वायदा किया था। मोदी सरकार को अगले माह सत्ता में आए दो साल हो जाएंगें मगर विदेशों में छिपाए गए काले धन का एक धेला भी अभी तक स्वदेश नहीं लाया जा सका है। ताजा खुलासे से सरकार के काला धन को स्वदेश लाने के प्रयासों पर सवालिया निशान लगा दिया है। अगर पत्रकार विदेशों में छिपाए गए काले धन का कच्चा चिट्ठा खोल सकते है, तो सरकार क्यों नहीं? सरकार के पास अपार साधन और शक्तिशाली तंत्र है और अगर दृढ इच्छा शक्ति हो तो कर चुराने वालों को पकड़ा जा सकता है।

राजा की तीन सीखें

प्रेरक प्रसंग

बहुत समय पहले की बात है , सुदूर दक्षिण में किसी प्रतापी राजा का राज्य था। राजा के तीन पुत्र थे, एक दिन राजा के मन में आया कि पुत्रों को को कुछ ऐसी शिक्षा दी जाए कि समय आने पर वो राज-काज सम्भाल सकें। इसी विचार के साथ राजा ने सभी पुत्रों को दरबार में बुलाया और बोला , पुत्रों हमारे राज्य में नाशपाती का कोई वृक्ष नहीं है , मैं चाहता हूं तुम सब चार-चार महीने के अंतराल पर इस वृक्ष की तलाश में जाओ और पता लगाओ कि वो कैसा होता है? राजा की आज्ञा पा कर तीनों पुत्र बारी-बारी से गए और वापस लौट आए।

सभी पुत्रों के लौट आने पर राजा ने पुन: सभी को दरबार में बुलाया और उस पेड़ के बारे में बताने को कहा। पहला पुत्र बोला, पिताजी वह पेड़ तो बिलकुल टेढ़ा-मेढ़ा , और सूखा हुआ था।

नहीं -नहीं वो तो बिलकुल हराभरा था, लेकिन शायद उसमें कुछ कमी थी क्योंकि उस पर एक भी फल नहीं लगा था, दूसरे पुत्र ने पहले को बीच में ही रोकते हुए कहा . फिर तीसरा पुत्र बोला, भैया लगता है आप भी कोई गलत पेड़ देख आए क्योंकि मैंने सचमुच नाशपाती का पेड़ देखा, वो बहुत ही शानदार था और फलों से लदा पड़ा था। इस तरह तीनों पुत्र अपनी-अपनी बात को लेकर आपस में विवाद करने लगे कि तभी राजा अपने सिंघासन से उठे और बोले,

पुत्रों तुम्हे आपस में बहस करने की कोई आवश्यकता नहीं है। दरअसल तुम तीनों ही वृक्ष का सही वर्णन कर रहे हो। मैंने जानबूझ कर तुम्हे अलग-अलग मौसम में वृक्ष खोजने भेजा था और तुमने जो देखा वो उस मौसम के अनुसार था।

राजा बोले, मैं चाहता हूं कि इस अनुभव के आधार पर तुम तीन बातों को गांठ बांध लो :

पहली , किसी चीज के बारे में सही और पूर्ण जानकारी चाहिए तो तुम्हे उसे लंबे समय तक देखना-परखना चाहिए। फिर चाहे वो कोई विषय हो, वस्तु हो या फिर कोई व्यक्ति ही क्यों न हो ।

दूसरी , हर मौसम एक सा नहीं होता, जिस प्रकार वृक्ष मौसम के अनुसार सूखता, हरा-भरा या फलों से लदा रहता है उसी प्रकार मनुष्य के जीवन में भी उतार चढ़ाव आते रहते हैं, अत: अगर तुम कभी भी बुरे दौर से गुजर रहे हो तो अपनी हिम्मत और धैर्य बनाये रखो, समय अवश्य बदलता है।

और तीसरी बात, अपनी बात को ही सही मान कर उस पर अड़े मत रहो, अपना दिमाग खोलो, और दूसरों के विचारों को भी जानो। यह संसार ज्ञान से भरा पड़ा है, चाह कर भी तुम अकेले सारा ज्ञान अर्जित नहीं कर सकते, इसलिए भ्रम की करो।

आज तो समस्त संसार आध्यात्मिक खाद्य के लिए भारतभूमि की ओर ताक रहा है और भारत को वह प्रत्येक राष्ट्र को देना होगा।

-स्वामी विवेकानंद

पृष्ठ 1 के शेष

रजनी महापौर और...

से धर्मशाला में नियोजित विकास की सबसे प्रबल संभावनाएं एवं पर्याप्त स्थान उपलब्ध है। धर्मशाला शहर को आदर्श शहर के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके लिए धन की कोई कमी नहीं रखी जाएगी। यहां अनेक विकास परियोजनाएं कार्यान्वित की जा रही हैं तथा युवाओं के लिए रोजगार के अधिक अवसर सृजित करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

हि.प्र. राज्य अनुसूचित...

सदस्यों का कार्यकाल तीन वर्ष का होगा। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष अनुसूचित जाति वर्ग से होगा, जिसका सामाजिक क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान अथवा राज्य सरकार से सेवानिवृत्त प्रधान सचिव रैंक से कम का न हो और अनुसूचित जाति से सम्बन्ध रखता हो। डॉ. शांडिल ने मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह का अनुसूचित जाति आयोग गठित करने के लिए आभार व्यक्त किया तथा कहा कि इसके गठित हो जाने से समाज के कमजोर वर्गों के हितों को सुरक्षित करने में सहायक होगा।

कन्हैया पर राष्ट्रद्रोह...

विश्व चक्षु ने कोर्ट में कन्हैया के खिलाफ राष्ट्रद्रोह का मुकद्दमा चलाने के लिए याचिका दायर की। अधिवक्ता विश्व चक्षु ने बताया कि उनके मुव्वकिल सूबेदार काहन सिंह ने 11 मार्च लीगल नोटिस जारी जेएनयू छात्र संघ अध्यक्ष कन्हैया कुमार को पूर्व सैनिकों से माफी मांगने या फिर 15 दिन के अंदर नोटिस का जवाब देने को कहा गया था। कन्हैया कुमार ने ना ही नोटिस का जवाब दिया और ना ही पूर्व सैनिकों से माफी मांगी। इसके चलते जिला सत्र न्यायालय में कन्हैया कुमार के खिलाफ आईपीसी की धारा 124 ए, 499, 500, 504, 505 और 511 के तहत मामला दर्ज करवाया गया है। उधर, सुबेदार काहन सिंह ने कहा कि जेएनयू छात्र संघ अध्यक्ष कन्हैया कुमार ने पूर्व सैनिकों के खिलाफ बयान जारी कर उन्हें बलात्कारी करार दिया है। इससे पूर्व सैनिकों सहित वर्तमान सैनिकों की भावनाएं आहत हुई हैं। तीन-तीन लड़ाइयां लड़ने के बाद अब उन्हें बलात्कारी करार दिया जा रहा है। यह शोभनीय नहीं है। संविधान के आर्टिकल 19 में कहीं भी नहीं लिखा है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के माध्यम से आप किसी की भावनाएं आहत करें।

नगरोटा बगवां आएंगी सोनिया गांधी

वरिष्ठ नेता आंनद शर्मा सहित प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर के नेताओं सहित पीसीसी अध्यक्ष सुखविंद्र सिंह सुक्खू, सभी मंत्री व कांग्रेस विधायक उपस्थित रहेंगे। यह कार्यक्रम इसी माह के तीसरे सप्ताह तक आयोजित किया जाएगा। इसी तिथि जल्द घोषित होगी। बाली ने कहा कि लगभग 125 करोड़ की लागत के इस कालेज का प्रथम चरण का कार्य पूरा हो चुका है। इसी सत्र से यहां कक्षाएं आरंभ कर दी जाएंगी। अभी यह कक्षाएं राजकीय डिग्री कालेज नगरोटा बगवां में चल रही हैं। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर ऐतिहासिक रैली का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। सोनिया गांधी के विशेष स्वागत के लिए गग्गल हवाई अड्डे से नगरोटा बगवां तक 151 स्वागत द्वार बनाए जाएगें तथा हवाई अड्डे से समारोह तक उनके काफिले के साथ एक हजार मोटरसाइकलों का काफिला उन्हें सम्मान सहित सभा स्थल तक ले जाएगा। समारोह में 40 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था रहेगी।

बीमारी से निपटने...

दूसरी ओर व्यक्ति इस विश्वास के साथ जीता है कि उसे उन्हें संक्रमण नहीं हो सकता और व्यक्ति में बीमारी की वास्तविकता को स्वीकार न करने की प्रवृत्ति उत्पन्न हो जाती है। इस प्रकार की सभी भ्रांतियां विधायकों, स्वयं सेवी संगठनों तथा सरकारी एजेंसियों की सक्रिय सहभागिता से दूर की जा सकती हैं। मुख्यमंत्री ने महामारी के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने के सरकार के प्रयासों को सांझा करने में समाज के सभी वर्गों के सक्रिय सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि एचआईवी पर इस प्रकार की कार्यशालाएं परिसंवाद एवं संचार के मार्ग प्रशस्त करती हैं तथा परस्पर सम्बन्धों से समाज की सोच में परिवर्तन लाने में मददगार होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आश्चर्यजनक है कि विश्वभर में एचआईवी/एड्स के 3.40 करोड़ मामले हैं और अकेले भारत वर्ष में कुल 20.9 लाख मामले पॉजीटिव पाये गए हैं। जहां तक हिमाचल प्रदेश की बात है यहां एचआईवी के 8497 मामले पॉजीटिव पाये गए हैं। इनमें से 3127 लोगों को एड्स है। इससे पूर्व, मुख्यमंत्री ने ऑन-लाईन ब्लड बैंक सूचना प्रबन्धन प्रणाली का शुभारम्भ किया। इससे राज्य के विभिन्न ब्लड बैंकों में रक्त की उपलब्धता एवं इसकी ताजा स्थिति की ऑन लाईन जानकारी प्राप्त होगी और इससे मरीजों को आवश्यकता पर रक्त की व्यवस्था करने में मदद मिलेगी।

अष्टमी व नवमी का पूजन विशेष फलदायी

नवरात्र के नौ दिनों में भी अष्टमी और नवमी का पूजन विशेष फलदायी है। इस अवसर पर लोग कुलदेवी-देवताओं का पूजन करके उनकी कृपा प्राप्त करते हैं। अपने कुल के देवताओं से मार्ग की समस्त बाधाओं को हरने की गुहार लगाते हैं। चैत्र की यह नवरात्र आरोग्य, सुख और कल्याण की कामना करने वाले जन साधारण को मनवांछित फल प्रदान करने वाली है।

■ इसलिए विशेष है अष्टमी और नवमी पूजन

चैत्र शुक्ल अष्टमी का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। इस माह की नवरात्र अष्टमी और नवमी के दिन पूर्णता को प्राप्त करती है। अष्टमी के दिन ही आदि शक्ति मां दुर्गा का अवतरण हुआ था ऐसा माना जाता है और इसलिए इसे महाष्टमी कहा जाता है। मां दुर्गा के भक्त उन्हें काली, भवानी, जगदम्बा जैसे रूपों में पूजते हैं और उनकी कृपा से खुद को धन्य करते हैं। चैत्र नवरात्र में अष्टमी और नवमी पूजन विशेष महत्व रखते हैं।

अष्टमी और नवमी तिथि पर पूजन गृहस्थ जीवन में शुभ, संपदा और कल्याण प्रदान करने वाला है। बीमारी, महामारी, बाढ़, सूखा, प्राकृतिक उपद्रव और किसी भी तरह के शत्रु से बचाव के लिए इन तिथियों में पूजन का विशेष महत्व है। भविष्य पुराण के उत्तर-पूर्व में महानवमी व दुर्गाष्टमी पूजन के विषय में भगवान श्रीकृष्ण से युधिष्ठिर का संवाद मिलता है जिसमें नवमी व दुर्गाष्टमी पूजन का स्पष्ट उल्लेख है। नवरात्र के आठवें दिन महागौरी की पूजा अर्चना की जाती है। महागौरी आदि शक्ति हैं। उनकी शक्ति अमोघ फलदायिनी है। दुर्गा सप्तशती में वर्णन आता है कि शुंभ निशुंभ से पराजित होकर गंगा के तट पर देवताओं ने जिस देवी की प्रार्थना की थी वह महागौरी ही थीं। देवी गौरी के अंश से ही कौशिकी का जन्म हुआ जिसने शुंभ निशुंभ के आतंक से देवों को मुक्ति दिलाई। देवी गौरी शिव की अर्धांगिनी हैं और इस कारण वे शिवा और शाम्भवी नाम से भी पूजित हैं। मां के गौर वर्ण के संदर्भ में एक कथा है कि भगवान भोलेनाथ को पति रूप में पाने के लिए उन्होंने कठोर तपस्या की जिससे इनका शरीर काला पड़ गया। देवी की तपस्या से प्रसन्ना होकर भोलेनाथ ने इन्हें स्वीकार किया और गंगा जल की धार जैसी ही देवी पर पड़ी देवी विद्युत के समान अत्यंत कांतिमान गौर वर्ण की हो गईं। उन्हें मां गौरी नाम मिला। 9वें दिन मां दुर्गा के जिस स्वरूप का पूजन होता है वह सिद्धिदात्री है। नवां दिन मां सिद्धिदात्री दुर्गा की पूजा का पावन दिन है। मां भगवती ने 9वें दिन देवताओं और भक्तों के सभी वांछित मनोरथों को सिद्ध किया था जिससे मां सिद्धिदात्री के रूप में प्रतिष्ठित हैं। करुणामयी सिद्धिदात्री की अर्चना व पूजा से सभी कार्य सिद्ध होते हैं, मार्ग की समस्त बाधाएं समाप्त होती हैं एवं सुख की प्राप्ति संभव होती है।

कन्या पूजन का विधान

नवरात्रे के दसों दिन कन्या भोजन कराने का विधान है परंतु अष्टमी के दिन का विशेष महत्व है। इस दिन महिलाएं अपने सुहाग की रक्षा के लिए देवी मां को चुनरी भेंट करती हैं। इस दिन कुमारी कन्याओं का पूजन किया जाता है। एक से दस वर्ष तक की कन्याओं का पूजन किया जाता है। 10 वर्ष से अधिक उम्र की कन्याओं को देवी पूजन में वर्जित माना गया है। कन्या को मां का स्वरूप मानकर कुंकुम अक्षत से उनकी पूजा की जाती है। उनकी कलाइयों पर कलावा बांधा जाता है। इसके बाद उन्हें भोजन ग्रहण कराया जाता है और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया जाता है। सामर्थ्य अनुसार कन्याओं को दक्षिणा देकर विदा किया जाता है। कन्या के पूजन से मां की कृपा प्राप्त होती है इसलिए अष्टमी और नवमी पर विशेषकर कन्या पूजन का विधान है।

कुलदेवताओं का पूजन भी

चैत्र नवरात्र पर घरों में बंधु-बांधवों सहित अपने कुल देवी-देवताओं के पूजन का भी विधान है। मौजूदा जीवनचर्या में लोग अपने कुल देवताओं के पूजन की तरफ ध्यान नहीं दे पाते हैं और चैत्र नवरात्र उन्हें यह अवसर उपलब्ध कराती है कि वे अपने कुल के देवताओं से हर तरह की भूल की क्षमा मांग सकें और उनके आशीष से निरोगी रहें। इस दिन कुलदेवताओं के आशीष अनिष्ट और अमंगल की समस्त आशंकाओं को निर्मूल किया जाता है। दुर्गा सप्तशती के अनुसार मां ने कहा था कि अष्टमी और नवमी पर जो भी मेरी महापूजा करेगा उसके कुल में हमेशा धन धान्य रहेगा और उसकी रक्षा मैं स्वयं करूंगी। मान्यता है कि हर कुल की देवी होती हैं जो कुल की रक्षा करती हैं। कुल में जन्मे बच्चे मां की कृपा से कुल का नाम रोशन करें इसलिए भी नवरात्र पर कुलदेवी का आशीष प्राप्त किया जाता है।

जब कम हो जाए शरीर में प्रोटीन

हर पोषक तत्व की ही तरह शरीर को प्रोटीन की भी जरूरत एक निश्चित मात्रा में होती है। इसकी अधिकता और कमी दोनों ही सेहत पर बुरा असर डाल सकते हैं। इसी संदर्भ में जानिए प्रोटीन की कमी से होने वाली समस्याओं के बारे में।

■ समस्याएं जो उभरती हैं

इस महत्वपूर्ण पोषक तत्व के न होने या पर्याप्त मात्रा में न होने से मसल्स और हड्डियों के अलावा हृदय संबंधी दिक्कतें भी उपज सकती हैं। इसकी कमी से होने वाली समस्याएं कुछ इस तरह के लक्षण दर्शा सकती हैं-

वजन का अधिकता से कम होना इसकी कमी का संकेत हो सकता है। यह लक्षण मसल्स के बर्बाद होने के कारण जन्म ले सकता है। दरअसल शरीर को जब प्रोटीन नहीं मिलता तो वह मसल्स

को तोड़कर प्रोटीन लेने की कोशिश शुरू कर देता है। परिणामस्वरूप मसल्स खोने लगती हैं। इससे वजन में गंभीर कमी हो सकती है।

बालों का कमजोर होना, टूटना या झड़ना भी इस कमी को दर्शा सकता है। बालों के बनने में चूंकि प्रोटीन का योगदान होता है, ऐसे में बाल इसकी कमी से तकलीफ में आ सकते हैं। इसी तरह नाखूनों की कमजोरी भी प्रोटीन की कमी का संकेत हो सकती है। इसके कारण हाथ पैरों के नाखूनों पर उभार उठना, सफेद लकीरें बनना और नाखूनों का टूटना आदि समस्याएं हो सकती हैं।

एडेमा यानी शरीर के कुछ हिस्सों में पानी या द्रव्य का इकट्ठा हो जाना। यह परेशानी भी प्रोटीन की कमी से हो सकती है, क्योंकि प्रोटीन शरीर में पानी का संतुलन बनाए रखने में मददगार होता है। इसका असर ज्यादातर पैरों, एड़ियों आदि पर दिखाई देता है।

मुरझाई हुई स्किन या स्किन पर पड़े रैशेस भी इस कमी से पनप सकते हैं। साथ ही कमजोरी, नींद में असंतुलन, घावों को ठीक होने में देर लगना, बार-बार भूख लगना, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द, चिड़चिड़ापन और ऊर्जा में कमी, सिरदर्द और चक्कर आना, आदि तकलीफें भी प्रोटीन की कमी से हो सकती हैं।

■ इस तरह पनपती है मुश्किल

प्रोटीन की कमी से होने वाली परेशानियों में सामान्य से लेकर विशेष और गंभीर समस्याएं तक शामिल होती हैं। इसके पीछे कई सारे कारण हो सकते हैं, जैसे डाइट का बैलेंस्ड न होना, प्रोटीन के स्रोत की सही जानकारी न होना तथा किसी विशेष प्रकार की डाइट को ही फॉलो करना, आदि। इन तमाम चीजों से प्रोटीन की कमी पनप सकती है।

भोजन को बनाएं संतुलित

प्रोटीन की कमी से बचने को चावल, गेहूं, मक्का, ओट्स आदि साबुत अनाज, सोया, मूंगफली, पालक, मटर, आलू, शकरकंद, डेयरी उत्पाद, फिश, अंडे आदि को अपने भोजन का जरूरी हिस्सा बनाएं। यदि आपको इसके लक्षण ज्यादा नजर आ रहे हैं तो डॉक्टर से जांच करवाकर सप्लीमेंट्स व औषधियां भी लें। समय पर इस ओर ध्यान देने से बहुत हद तक समस्या पर काबू पाया जा सकता है।

बढ़ती जा रही है

डाटा एनालिस्ट की मांग

बिग डाटा यानी डिजिटल पिक्चर, वीडियो, ट्रांजैक्शन रेकॉर्ड, पोस्ट या फिर मैसेज के रूप में इकट्ठा सूचनाओं का बड़ा भंडार। ये वे सूचनाएं हैं, जो तमाम वेबसाइट्स के सर्वर पर स्टोर हैं। आपने कभी सोचा है कि फेसबुक, ट्विटर, यूट्यूब या जीमेल आदि पर जो जानकारियां आप शेयर करते हैं या फिर जो ऑनलाइन ट्रांजैक्शन करते हैं, आखिर ये सब जानकारियां जाती कहां है? दरअसल, ये सूचनाएं नष्ट नहीं होतीं, बल्कि सर्वर पर इकट्ठा होती रहती हैं। इसे ही बिग डाटा नाम दिया गया है। बिजनेस कंपनियों के लिए ये डाटा बहुत काम का

होता है। इसका इस्तेमाल करके वे अपनी बिक्री में सुधार कर सकती हैं और मार्केट स्ट्रैटेजी में खुद को आगे रख सकती हैं। एक हालिया सर्वे के अनुसार, देश में बिग डाटा में निवेश लगातार बढ़ रहा है। वर्ष 2016 में करीब 75 प्रतिशत बड़ी कंपनियां इंफॉर्मेशन एंड एनालिटिक्स प्रोजेक्ट में निवेश का प्लान बना रही हैं। अगर नौकरी की बात करें, तो एक अनुमान के मुताबिक, विश्व भर में बीते तीन वर्षों में इस फील्ड में करीब 44 लाख को जॉब मिली है। इंटरनेशनल डाटा कॉरपोरेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार, अगले तीन वर्षों में करीब 2 लाख डाटा साइंटिस्ट और एनालिस्ट के लिए जॉब की संभावनाएं हैं।

डाटा की दुनिया में ग्रोथ

❍ भारत ही नहीं, पूरी दुनिया में डाटा का इस्तेमाल बढ़ रहा है। हालांकि अभी भी विश्व भर में सिर्फ 5 प्रतिशत सूचनाएं ही बिग डाटा के तहत इस्तेमाल हो पा रही हैं। बैंकिंग, फाइनेंस, इंश्योरेंस, ई-कॉमर्स और डाटा एनालिटिक्स से जुड़ी स्टार्ट-अप्स कंपनियां इसका ज्यादा से ज्यादा उपयोग करने पर जोर दे रही हैं। नैस्कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2016 तक भारतीय डाटा एनालिटिक्स बाजार दोगुना होकर करीब 2.3 अरब डॉलर तक पहुंच जाने की उम्मीद है। यानी कंपनियां डाटा एनालिटिक्स पर लगातार निवेश कर रही हैं। वहीं, इंटरनेशनल डाटा कॉर्पोरेशन की रिपोर्ट की मानें, तो वर्ष 2020 तक डाटा का प्रोडक्शन 50 गुना बढ़कर करीब 40 जेटाबाइट्स तक पहुंच जाएगा। ऐसे में डाटा वॉल्यूम बढ़ने से बहुत-सी कंपनियों के लिए डाटा एनालिस्ट को हायर करना जरूरी हो गया है।

डाटा का इस्तेमाल

❍ कस्टमर सर्विस से जुड़ी कंपनियों के लिए डाटा कैसे बहुत उपयोगी है, इसे इस तरह समझा जा सकता है- मान लें कोई कंपनी पिज्जा शॉप चलाती है। उसे अपने डाटा से पता चलता है कि किसी खास दिन उसके पिज्जा की बिक्री बहुत ज्यादा रहती है और सप्ताह के कुछेक दिन बहुत कम। ऐसे में वह ग्राहकों को आकर्षित करने के एक सप्ताह के बाकी दिनों में कोई स्कीम या ऑफर दे सकती है। वह यह भी जान सकती है कि किस मौसम में उसका कौन-सा प्रोडक्ट ज्यादा डिमांड में रहता है। इस आधार पर वह नया बिजनेस प्लान भी बना सकती है। इसी तरह, टेलीकॉम कंपनियां नंबर पोर्टेबिलिटी स्कीम लागू होने से अपने ग्राहक के पलायन को रोकने के लिए उन्हें नई स्कीम से आकर्षित कर सकती हैं। ई-कॉमर्स कंपनियां चाहें, तो अपने बिग डाटा से सटीक जानकारी निकालकर ग्राहक की रुचि, मूड और ट्रैंड को जानकर उन्हें नए ऑफर देकर आकर्षित कर सकती हैं या नया मार्केटिंग प्लान भी बना सकती हैं। इसी तरह, रिटेल, इंश्योरेंस, क्रेडिट कार्ड और फाइनेंस कंपनियां भी इस बिग डाटा को अपने बिजनेस के लिए नए तरीके से इस्तेमाल कर सकती हैं।

वर्क प्रोफाइल

❍ डाटा प्रोफेशनल्स का काम जिम्मेदारी भरा होता है, इन्हें कंपनी के सर्वर पर स्टोर डाटा में से उपयोगी सूचनाएं निकालनी होती हैं। बिजनेस प्रॉब्लम्स को इन्हीं डाटा के जरिए सुलझाना होता है। तमाम कंपनियां इसी एनालिसिस के आधार पर बिजनेस प्लान तैयार कर रही हैं। डाटा एनालिस्ट कंपनियों की मार्केटिंग और मैनेजमेंट टीम का हिस्सा होते हैं। इनकी इंफॉर्मेशन मैनेजमेंट, बिजनेस एक्सपर्टीज और प्रोग्रामिंग स्किल बहुत अच्छी होती है।

सैलरी पैकेज

❍ डाटा एनालिसिस फील्ड में प्रोफेशनल्स को शुरुआत में आसानी से 3 से 6 लाख रुपए का सालाना पैकेज मिल जाता है। हालांकि यह कंपनी और प्रोफेशनल्स के क्वॉलिफिकेशन पर भी निर्भर करता है। स्टॉक मार्केट की ट्रेडिंग से जुड़ी कंपनियों में डाटा एनालिस्ट की सैलरी और भी आकर्षक होती है।

जॉब के अवसर

❍ डाटा इंडस्ट्री तेजी से बढ़ती फील्ड है। डाटा एनालिस्ट के लिए सरकारी और प्राइवेट दोनों क्षेत्रों में जॉब के बहुत मौके हैं। अगर प्राइवेट सेक्टर की बात करें, तो आईटी एंड आईटीईएस, बैंक, बीमा, फाइनेंस, टेलीकॉम, ई-कॉमर्स, रिटेल व आउटसोर्सिंग कंपनीज में ऐसे प्रोफेशनल्स की बहुत मांग है। इसके अलावा युवाओं के लिए कंस्ट्रक्शन, यूटिलिटी, ऑइल/ गैस/ माइनिंग, हॉस्पिटल्स एंड हेल्थकेयर, ट्रांसपोर्टेशन, कंसल्टिंग और मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों में भी काफी अवसर हैं। अगर चाहें, तो कॉलेज या यूनिवर्सिटी के रिसर्च विंग से भी जुड़ सकते हैं। डाटा प्रोफेशनल्स की मांग अमेरिका-योरप आदि में भी है।

पर्सनल स्किल

❍ डाटा एनालिस्ट/ साइंटिस्ट बनने के लिए कुछ बेसिक स्किल्स होनी बहुत जरूरी है। मसलन, आपकी गणित और स्टैटिस्टिक्स पर अच्छी कमांड हो। आप प्रोग्रामिंग की अच्छी जानकारी रखते हों। इसके अलावा, क्लाइंट की बिजनेस संबंधी समस्याओं को सुलझाने में कॉमन सेंस का इस्तेमाल करना भी आना चाहिए।

कोर्स व क्वॉलिफिकेशन

❍ वैसे तो आप डाटा एनालिस्ट ग्रेजुएशन के बाद बन सकते हैं लेकिन अकाउंटिंग, स्टैटिस्टिक्स, मैथमेटिक्स या कम्प्यूटर साइंस में ग्रेजुएट हैं और प्रोग्रामिंग की अच्छी जानकारी है, तो इस फील्ड में आसानी से करियर बना सकते हैं। डाटा इंडस्ट्री में बीटेक या बीई डिग्रीधारियों की अच्छी डिमांड है। अगर कोर्स की बात करें, तो कई संस्थान बिग डाटा एंड बिजनेस एनालिटिक्स या बिग डाटा एनालिटिक्स में डिप्लोमा, पीजी डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स ऑफर कर रहे हैं।

प्रमुख संस्थान

■ इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, लखनऊ ■ इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, कोलकाता ■ इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, खड़गपुर ■ इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, बेंगलुरु ■ इंस्टीट्यूट ऑफ स्ट्रैटेजिक मार्केटिंग एंड कम्युनिकेशन, अहमदाबाद।

आईपीएल-9 का रंगारंग शुभारंभ

मुंबई। जगमगाती रोशनी, गूंजता संगीत और क्रिकेट व बॉलीवुड के सितारों की जगमगाहट के बीच आईपीएल-9 की ग्लैमरस शुरुआत हो गई। दो घंटे से ज्यादा समय तक चले ओपनिंग कार्यक्रम में बॉलीवुड से कैटरीना कैफ, जैकलिन फर्नांडीज, रणबीर सिंह, यो-यो हनी सिंह ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को थिरकने पर मजबूर कर दिया। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो भी अपने एलबम के चैंपियन- चैंपियन गीत पर थिरकते नजर आए। इस मौके आईपीएल टीमों के खिलाड़ियों के अलावा अन्य क्षेत्रों के सेलेब्रेटी भी मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरुआत में बॉलीवुड अदाकारा जैकलीन फर्नांडीज ने फिल्मी गीत मुझे यार न मिले तो मर जांवां, पार्टी ऑन माइ माइंड और हो जा जरा मतलबी... पर प्रस्तुतियां दीं। कैटरीना कैफ ने धूम मचा दे...गीत के अलावा बैंग-बैंग और फैंटम फिल्म के गानों पर दर्शकों की जमकर तालियां बटोरीं।

3 बार की थी प्रियंका ने आत्महत्या की कोशिश

ग्लैमर जगत के तमाम एक्टर्स टीवी एक्ट्रेस प्रत्यूषा बनर्जी की आत्महत्या की बात से सकते में हैं। इसी बीच सुपरस्टार प्रियंका चोपड़ा से जुड़ी एक चौंका देने वाली बात सामने आई हैं। संघर्ष के दिनों में प्रियंका चोपड़ा ने भी आत्महत्या की कोशिश की थी।

यह बयान प्रियंका के एक्स-मैनेजर प्रकाश जाजू ने दिया है। आज तो प्रियंका चोपड़ा बॉलीवुड और हॉलीवुड में सफलता के झंडे गाड़ रही हैं। किसी समय में वो भी बहुत कमजोर हुआ करती थीं। प्रकाश जाजू ने ट्विटर पर ट्वीट्स के जरिए अपनी बात कही है। प्रकाश ने लिखा, आज इतनी स्ट्रॉन्ग दिखने वाली प्रियंका ने बीते समय में 2-3 बार आत्महत्या करने की कोशिश की थी। प्रियंका और उनके पुराने बॉयफ्रेंड असीम मर्चेंट की आपस में बहुत लड़ाइयां हुआ करती थीं। एक बार असीम से लड़ाई के बाद प्रियंका मुंबई के वसई इलाके में ड्राइव करके आईं और वहां आत्महत्या की कोशिश की। वैसे प्रियंका असीम की मां के काफी करीब थीं, लेकिन 2002 में असीम की मां के देहांत के बाद वसई में प्रियंका ने एक बिल्डिंग से कूदकर अपनी जान देनी चाही। उस घटना के बाद जब तक उस फ्लैट की खिड़कियों पर ग्रिल नहीं लगाए गए, तब तक प्रियंका को कुर्सी से बांधकर रख गया था।

संपादक व प्रकाशक संदीप परमार द्वारा वीपीओ सिद्धबाड़ी, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा-176057, हिम से प्रकाशित व संपादित और बज्रेश्वरी प्रिंटर्स वीपीओ धरोह, तहसील धर्मशाला, जिला कांगड़ा हिम से मुद्रित। फोन नंबर : 01892-235315 Mail ID : badaltirahain@gmail.com